

---

# Shri Madhyarjunesha Ashtakam

---

## श्रीमध्यार्जुनेशाष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Madhyarjunesha Ashtakam

File name : madhyArjuneshAShTakam.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc\_shiva

Author : anantarAma dIkShita

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : October 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 29, 2023


*sanskritdocuments.org*

---


श्रीमध्यार्जुनेशाष्टकम्



मध्यार्जुनेशं भजेहं साम्बमध्यार्जुनेशं  
महालिङ्गमाद्यं मध्यार्जुनेशं भजेहम् ॥ ध्रुवपदम् ॥  
ज्योतिर्महालिङ्गरूपं क्लृप्तभूपं भुजङ्गेन कृत्तारिवृन्दम् ।  
भक्तार्तिं संहार्यपाङ्गं ब्रह्मविष्णवादिवृन्दैर्मुदापूजिताङ्घ्रिम् ॥ १ ॥  
रुद्राक्षमालां धरन्तं ब्रह्महत्यादि पापानि सन्नाशयन्तम् ।  
रक्षन्तमापत्सु भक्तान् भ्रान्तचित्तस्थदोषान् समुन्मूलयन्तम् ॥ २ ॥  
पुण्याश्रमेधप्रचारैः भूतपातादिचौरैः भवाम्भोधितारैः ।  
कुर्वन्ति भक्ताः प्रसन्नं पुत्रपौत्राद्यभीष्टान् सदा पूरयन्तम् ॥ ३ ॥  
भस्मादिभूषाविशेषं पुष्पविल्वादिपत्रैर्जुषाणं सुतोषम् ।  
सर्वार्थदायिप्रदोषं विप्रवर्यौघ सम्प्रोक्तसामादिघोषम् ॥ ४ ॥  
सह्याद्रिजातीर भाग्यं साधुभोग्यं सुरेन्द्रैः सदासाधुमृग्यम् ।  
प्राप्यं कृतानेकपुण्यैः दीनरक्षैकदीक्षं कृपापूर्णवीक्षम् ॥ ५ ॥  
पुष्पोत्सवे पुण्यगोष्ठ्यां सामवेदादिघोषैः प्रमोदेनभान्तम् ।  
ज्योतिर्मयानन्दकन्दं स्वर्जुनारख्यस्य वृक्षस्य मूले वसन्तम् ॥ ६ ॥  
पुष्येऽथे कालधौते दिव्यपुष्पाभिरामेवृषैरुह्यमाने ।  
पश्यन्तमत्यन्तभक्तां सुन्दराभ्यां बृहद्भ्यां कुचाभ्यां युतान्ताम् ॥ ७ ॥  
स्तोत्रं कृतं भक्तिपूर्वं दीक्षितानन्तरामेण पापौघशान्त्यै ।  
नित्यं पठेद्यस्तु भक्त्या तस्य सर्वार्थलाभो भवेदाशुतोषात् ॥ ८ ॥  
इति श्री अनन्तरामदीक्षितेन विरचितं  
श्रीमध्यार्जुनेशाष्टकं सम्पूर्णम् ।

——  
*Shri Madhyarjunesha Ashtakam*

pdf was typeset on June 29, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

